## 'मॉरीशस में विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी शिक्षण'

**डॉ. अलका धनपत**

महात्मा गाँधी संस्थान के इस सभागार में आप सभी का स्वागत है । आज विश्वविद्यालय स्तर पर पूर्वी भाषा शिक्षण के लिए, महात्मा गाँधी संस्थान की पूरे देश में विशेष पहचान है। हिंदी शिक्षण को यहाँ तक पहुँचाने के लिए संस्थान ने काफ़ी लम्बी तथा संघर्षशील यात्रा को तय किया है। उस यात्रा की रिपोर्ट से पूर्व मैं, महात्मा गाँधी संस्थान में आज विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी शिक्षण की एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना चाहूँगी । संस्थान के हिंदी विभाग में छः प्रवक्ता हैं। अन्य विभागों के कुछ प्रवक्ता जिनके पास हिंदी की उच्च डिग्री है हिंदी शिक्षण के कार्य में सहयोग देते हैं। हिंदी विभाग संस्थान का एक बड़ा विभाग है। इस विभाग में छात्रों की संख्या भी सर्वाधिक हैं। 2014- 2015 में संस्थान विश्वविद्यालय स्तर पर निम्न कोर्स चला रहा है :-

**MGI in collaboration with UOM & MIE – 2014-2015**
**महात्मा गाँधी संस्थान**
**मॉरीशस यूनिवर्सिटी तथा मॉरीशस इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन के सहयोग से**

| **पाठ्यकम कोर्स (MGI in collaboration with UOM)** | **छात्रों की संख्या** |
|---|---|
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ प्रथम वर्ष | 39 |
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ द्वितीय वर्ष | 27 |
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ तृतीय वर्ष | 28 |
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ (JOINT) प्रथम वर्ष | 03 |
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ (JOINT) द्वितीय वर्ष | 02 |
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ (JOINT) द्वितीय वर्ष | 03 |
| B.A हिंदी ऑनर्ज़ (P/T) द्वितीय वर्ष | 06 |
| M.A हिंदी ऑनर्ज़ (2013-2014) | 05 |
| M.A हिंदी ऑनर्ज़ (2014-2015) | 04 |
| **पाठ्यकम कोर्स (MGI in collaboration with MIE)** | |
| PGCE P /T हिंदी | 13 |
| PGCE F/T हिंदी | 18 |
| मोरीशस में पी.एच.डी छात्र (हिंदी) | 21 |
| **पाठ्यकम कोर्स (MGI in collaboration with UOM)** | एम्.फिल., पी.एच.डी. की छात्र संख्या---हिंदी |

| | |
|---|---|
| पी.एच.डी. (2012 ) तक पूर्ण कर चुके) 91<br>पी.एच.डी. (कर रहे छात्र) | 4<br>6 |
| **पाठ्यकम कोर्स<br>(Open University, Mauritius )** | |
| पी.एच.डी. (कर रहे छात्र)<br>नवीन पंजीकरण | 4<br>2 |

इससे पूर्व की हम एम.जी.आई की यात्रा के साथ अपनी यात्रा को आगे बढ़ाएँ, मैं पूर्व में डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज तथा सम्प्रति ऋषि दयानंद संस्थान जो विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी शिक्षण का कार्य कर रहा है उसकी चर्चा करना चाहूँगी।

***डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज (2007-2013), सम्प्रति ऋषि दयानंद संस्थान (2014)*** डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज (आर्य सभा) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सहयोग से कार्य कर रहा था और अब R.D.I ओपन यूनिवर्सिटी, मॉरीशस के सहयोग से।

**डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज के कोर्स(2007-2013)**

| **वर्ष** | **B.A (General) P/T Hindi, Sanskrit, Philosophy, English** | **M.A P/T Hindi** |
|---|---|---|
| 2007-2008 | 32 | - |
| 2008-2009 | 25 | 9 |
| 2009-2010 | 11 | 12 |
| 2010-2011 | 25 | 9 |
| 2011-2012 | 23 | 10 |
| 2012-2013 | 26 | 10 |

R.D.I. ने अभी हिंदी के किसी 'कोर्स' को विज्ञापित नहीं किया है।

आज ऋषि दयानंद संस्थान ओपन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्य करने का निर्णय ले चुका है।

आज मॉरीशस में हिंदी शिक्षण पूरे देश के लगभग प्रत्येक प्राइमरी, सेकेंडरी स्कूल में हो रहा है। मॉरीशस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर महात्मा गाँधी संस्थान, विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी शिक्षण कर रहा है।

सन 1968 में मॉरीशस स्वतंत्र हुआ । देश के निर्माताओं ने नवनिर्माण के स्वप्नों को साकार करने का बीड़ा उठाया। इसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण विषय था । स्वतंत्र मॉरीशस के शिक्षित समाज के सपने की एक दिशा पूर्वी भाषाओं को देश की मुख्य धारा के साथ जोड़ना भी था।

द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में मॉरीशस के प्रथम प्रधानमंत्री सर शिवसागर रामगुलाम ने कहा था, 'मॉरीशस में हिंदी का विकास हमारे समाज के इतिहास का दस्तावेज़ है।'

इसी सम्मेलन के पहले सत्र के संचालन में डॉ.धर्मवीर भारती ने कहा था :-

'इसी विराट विश्व हिंदी सम्मेलन का बीज वही गन्ने के खेतों की बैठकाएँ थीं । उन पूर्वजों को मैं प्रणाम करता हूँ।' आज सचमुच हिंदी बैठकाओं से यूनिवर्सिटी तक पहुँच गई है । आज वह अपनी अस्मिता की लड़ाई के लिए अधिक सशक्त हो गई है।

एम.जी.आई. ने इस लक्ष्य को पाने के लिए एक लम्बा सफ़र तय किया है । संस्थान से बी.ए., एम.ए. की डिग्री प्राप्त छात्र पूरे देश में आज अध्यापन, मीडिया, समाचार-वाचन, अनुवादक, एम.बी.सी., सरकारी कार्यालयों, मंत्रालयों, सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी तथा पण्डितों के रूप में सर्वत्र कार्य कर रहे हैं।

भारतीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी तथा मॉरीशसीय प्रधान मंत्री, सर शिवसागर रामगुलाम द्वारा, 3 जून,1970 को एम.जी.आई. की आधारशिला रखी गई।

महात्मा गाँधी संस्थान Act No. 64 (1970) में बना और 1975 में यह संस्थान ने कार्यारम्भ किया तथा पुर्नासुधार के साथ Act No. 49 (2002) में पुनः प्रकाशित हुआ।

इसका मुख्य उद्देश्य था :-

- महात्मा गांधी को श्रधांजलि स्वरूप, भारतीय संस्कृति एवं परम्परा, शिक्षा के अध्ययन हेतु एक शिक्षण केंद्र की स्थापना
- शिक्षा तथा संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना।
  इसी उद्देश्य हेतु भाषा, संस्कृति, कला, दर्शन, संगीत, मॉरीशसीय क्षेत्र अध्ययन आदि का विस्तार किया गया।

आज एम.जी.आई. में विश्वविद्यालय स्तर पर पाँच भाषाओं में स्कूल ऑफ इंडियन स्टडीज़ कार्य कर रहा है। ये भाषाएँ हैं – हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगु तथा मराठी। लेकिन इस स्तर पर पहुँचने के लिए एम.जी.आई. ने एक लंबे सफ़र को पूरा किया है । बैठकाओं की हिंदी आज विश्वविद्यालय तक पहुँच गई है और एम.जी.आई., मॉरीशस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पी.एच.डी. तक छात्रों को पढ़ा रहा है।

एम.जी.आई. ने यहाँ तक पहुँचने के लिए किन मिल पत्थरों को रास्ते पर आने वालों के लिए छोड़ा है आइए उसे समझने का प्रयास करें।

| वर्ष | कार्यभार/योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|---|
| **1975-1976**<br>नींव का वर्ष | • सैकेंडरी स्कूल का प्रारम्भ<br>• स्कूल ऑफ़ म्यूज़िक एंड आर्ट<br>• परीक्षा विभाग<br>• प्रकाशन विभाग<br>• अध्यापक शिक्षण<br>• पाठ्य पुस्तक निर्माण<br>• पाठ्यक्रम निर्माण<br>• निरीक्षण तथा रिपोर्ट<br>• अध्यापन-कार्य<br>• सेमिनार,कोर्स तथा विशेष भाषणों का आयोजन | • पूर्वी भाषाएँ तथा संस्कृति का प्रचार-प्रसार (प्राइमरी तथा सेकेंडरी स्तर पर)<br>• संस्थान के निवेदन पर पूर्वी भाषाएँ (हिंदी तथा उर्दू) HSC स्तर पर 'प्रिंसिपल विषय' के रूप में कैंब्रिज सिंडिकेट ने स्वीकार कीं।<br>• उत्तमा के छात्रों के लिए (हिंदी साहित्य सम्मेलन) शनिवार तथा एक अन्य दिन कक्षाएँ<br>• HSC में हिंदी तथा उर्दू लेने वाले छात्रों की मदद हेतु शनिवार को कक्षाएँ लगाईं<br>• भारत सरकार से प्रिंटिंग प्रेस मिला<br>• मॉरीशस की हिंदी कविता (12 श्रेष्ठ हिंदी कवियों की रचनाएँ छपीं)<br>• फोम।, ॥ के लिए 'अनुवाद पर एक पुस्तक छपी – लेखक थे – श्री चिंतामणि<br>• 'मॉरीशस लघु कथा संग्रह' भी छपा। |

| | | |
|---|---|---|
| **अप्रैल 1976**<br><br>**28-30 अगस्त 1976** | • 2 सप्ताह का कोर्स<br><br>• 2 सप्ताह का कोर्स<br><br>• 'इंडक्शन कोर्स'<br><br>• विश्व हिंदी सम्मेलन | • पाठ यूनिट तथा 'शिक्षण विधि' तैयार करके भेजना<br><br>• उस समय की पूर्वी भाषाओं की पुस्तकों का निरीक्षण कर, एक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई।<br><br>• पूर्वी भाषा की पाठ्य-पुस्तक निर्माण तथा लेखन प्रक्रिया<br><br>• रचनात्मक लेखन<br><br>• नाट्य लेखन<br><br>• पूर्वी भाषा के सेकेंडरी अध्यापकों के लिए<br><br>• आयोजन का कार्य भार महात्मा गाँधी संस्थान ने संभाला। |

**1977-78**

**वार्षिक रिपोर्ट / Annual report 1977 (MGI)**

'By next year we are planning to enter the sphere of Tertiary Studies, with a degree course in music and we hope that this will lead on to courses in the humanities and the social sciences.'

- **Dr.K.Hazareesingh (Director, MGI)**

| कार्यभार/ योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| • 1976 के कार्यक्रम यथावत् चल रहे थे।<br>• 'पार्ट टाइम' अध्यापक भी लिए गए। | • छात्रों की संख्या बढ़ने लगी<br>Lower फोम VI - 15<br>Upper HSC VI - 20<br>P/T अध्यापक - 03<br>उत्तमा I - 89<br>II - 86<br>P/T अध्यापन - 09 |
| • 10 सितम्बर से 17 अक्टूबर 1977 में (M.G.I. के निवेदन पर भारत से प्राध्यापकों का एक दल आया) | • 1975 से चलने वाले सभी कार्यक्रमों का निरीक्षण किया गया तथा सुधार के साथ भावी योजनाएँ बनी।<br>• अपने कोर्स के स्तर तक लाने के लिए, छात्रों हेतु पूर्व प्रशिक्षण कोर्स चलाएँ जाएँ<br>• प्रवेश परीक्षा का स्तर बढ़ाया जाए<br>• श्रवण कौशल को बढ़ाया जाए (कैसेट्स आदि का प्रयोग) |
| • हिंदी पत्रिका का प्रकाशन | • मीडिया (टेलीविज़न, रेडियो) पर हिंदी के कार्यक्रम बढ़े शिक्षण संबंधी<br>• मार्च 1978 से वसंत पत्रिका छपने लगी।<br>• अध्यापन प्रशिक्षण परीक्षा (1978) – 2445 छात्रों ने परीक्षा में भाग ली<br>• 'बैठका' अध्यापकों का प्रशिक्षण (1978) – 35 ने प्रशिक्षण लिया |

**1979-1981**

अब वार्षिक रिपोर्ट के विषय क्रम में 'भारतीय भाषा अध्ययन विभाग' सबसे ऊपर आने लगा।

| आयोजन | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| • इस वर्ष वार्तालाप पर आधारित मौखिक वाचन का एक वर्ष का कोर्स शुरू किया गया।<br>• दो वर्ष का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया।<br>• P.G.C.E.(Post Graduate Certificate in Education) शुरू किया गया।(MIE तथा MGI)<br>• ABC (Adult Beginner's Course)<br>• V.C. (Vacation course for CPE)<br>• DHT (Deputy Head Teacher's course) | • एक लाख शब्दों का शब्दकोश तैयार किया गया। हिंदी-फ्रेंच-फ्रेंच-हिंदी<br>• 30,000 पुस्तकें पुस्तकालय में थीं जिनमें 50% भारतीय भाषाओं की थीं।<br>• (वरिष्ठ एजुकेटर हेतु) 8 छात्रों ने कोर्स पूरा किया। (विषय विशेष, मुख्य-शोध) प्रोजेक्ट, शिक्षण अभ्यास कार्य- MGI का कार्यभार था)<br>• सहायक सुपरवाइजज़र्स हेतु (मंत्रालय, MIE तथा MGI ने मिलकर यह कोर्स चलाया) |

**1982-1986**

| उपलब्धियाँ | अन्य जानकारीयाँ |
|---|---|
| 1986 में विभाग ( Department of Languages) के अध्यक्ष श्री मुनीश्वरलाल चिंतामणि बने।<br>हिंदी के इंचार्ज बने श्री टी.पांडे।<br>प्रकाशन विभाग के अध्यक्ष – श्री अभिमन्यु अनत। | हिंदी विभाग के कार्य बढ़ने लगे थे इसलिए विभागाध्यक्ष तथा एक हिंदी के इंचार्ज बनाए गए। |
| छात्र संख्या-ABC कोर्स हिंदी<br>PGCE कोर्स हिंदी | 1986 में चिंतामणि जी ने भारत से Ph.D पूरी कर ली थी।<br>I, II 54 (1985-86)<br>17(1985-86) |
| • ***1982 में श्री बिसुनदयाल निदेशक बने*** | सपने ने आगे का सफ़र तय करने में गति पकड़ी। |
| • 1985-86 में तीन अध्यापकों ने PGCE किया और बाद में MGI के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक पद से सेवानिवृत हुए। | श्री को. रामफल, डॉ.बी. जगासिंह, डॉ. क.रघुनंदन |
| • वसंत के विशेषांक निकले (हिंदी पत्रिका) | मार्च 1986-बासुदेव बिसुनदयाल विशेषांक<br>जुलाई 1986– रवीन्द्रनाथ टैगोर विशेषांक |
| • टेलीविज़न तथा रेडियो पर हिंदी पाठों का प्रसारण | |
| • 'टीचर एड्युकेशन (हिंदी) कोर्स शुरू हुआ। | प्राइमरी के लिए – रेडियो पर<br>सैकेंड्री के लिए – टेलीविज़न पर<br>MIE, MGI के सहयोग से |

**1987 –1989**

| आयोजन | अन्य जानकारियाँ |
|---|---|
| DHT (Deputy Head Teacher's course) | दो सप्ताह तक चला (पूर्वी भाषाओं के)<br>MIE, MGI के सहयोग से |
| सेमिनार, कार्यशालाएँ, कवि जयंतियाँ | 27 oct 1987 (हिंदी साहित्य तथा हिंदी लेखन पर) मुख्य संयोजक: भारत से विशिष्ट साहित्यकार थे। |
| सेकेंडरी स्कूलों के अध्यापकों (हिंदी, उर्दू) के लिए राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। | MES, MGI के सहयोग से<br>जून 1989 – 235 स्थानीय लेखकों के साथ सेमिनार<br>अप्रैल 1989– प्रेमचंद पर सेमिनार |
| ABC कोर्स, | **छात्र संख्या 1988 1989**<br>**ABC - 56 48** |
| **1988 - 'डिप्लोमा इन हिंदी स्टडीज़' तीन वर्ष का P/Tकोर्स** | **23 14** |

**1988 – 1989**

| योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| • प्रकाशन में विस्तार<br>पुस्तक छपाई तथा विमोचन | मधु – गुंजार – ब्रजेंद्र कुमार भगत<br>मॉरीशस की हिंदी कहानियाँ तथा<br>मॉरीशस की नव हिंदी कवि (सं. अभिमन्यु अनत) |
| B.A.हिंदी.फ्रेंच पाठ्यक्रम तैयार किया | UOM तथा MGI के सहयोग से यह डिग्री कोर्स की तैयारी का वर्ष था। |
| डिप्लोमा का कोर्स नया तैयार किया | • केवल Hsc पास प्राइवेट स्कूल के अध्यापकों के लिए<br>• सेकेंडरी में पढ़ाने के इच्छुक छात्रों के लिए |
| *स्कूल ऑफ़ इंडियन स्टडीज़ बना* | • छात्र जो बी.ए. में भाषा लेंगे। |
| **1989 में**<br>• **पूर्वी भाषाओं में 'डिप्लोमा कोर्स' की योजना बनने लगी जो डिग्री कोर्स की नींव थी।**<br>• **बाकी सभी कोर्स पाठ्यक्रम पर कार्य यथावत् चल रहे थे।** | मीराबाई, प्रेमचंद, कबीर पर हिंदी में c.d. बनी।<br><br>हिंदी का कार्य निरंतर बढ़ रहा था। हिंदी शिक्षण हेतु, विभाग द्वारा आधारभूत शब्दावली तैयार की गई। |

**1990-1991**

| योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| ◆ जो हिंदी के एज्युकेशन ऑफिसर थे तथा सेकेंडरी में पढ़ा रहे थे, उच्च अध्ययन हेतु (हिंदी) संस्थान की ओर से भारत भेजे गए। | ◆ एम.ए., एम.फिल अथवा पी.एच.डी. स्तर तक |
| ◆ 1991-- प्रथम बाह्य निरीक्षक (बी.ए. हिंदी के कार्य के लिए भारत से आए)<br>◆ बी.ए. हिंदी/फ्रेंच/अंग्रेज़ी/कोर्स जॉइंट रूप में शुरू हुआ<br>◆ | ◆ डॉ. टी.एन. बाली<br>यह परम्परा आज तक चल रही है। |
| ◆ मूल्यांकन' के कोर्स के निरीक्षण हेतु भी पटना से प्राध्यापक आए तथा उन्होंने अनेक सत्रों में अध्यापकों के साथ कार्य किया । | ◆ 1 नवम्बर 1991 से 7 जनवरी 1992 तक डॉ.रामवचन राय (पटना विश्वविद्यालय)<br>◆ Feb 1991 – Durban Westville University<br>प्रवक्ता : श्रीमती उषा देवी शुक्ला |
| ◆ Pilot basis Advance Level course French/English में शुरू किया गया।<br>◆ ' 'एज्युकेशन प्रोग्राम' पर विचार शुरू हुआ।<br>◆ हिंदी नाटकों की प्रस्तुतियाँ प्रारम्भ | ◆ 150 छात्रों ने प्रवेश लिया ।<br>उद्देश्य था –छात्रों को तृतीय स्तर के प्रवेश योग्य बनाना।<br>◆ 'भरत सम भाई' (2 अगस्त 1991)<br>लेखक तथा प्रस्तुतकर्ता – श्री अनत |

**1992-1993**

| योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| दिसम्बर 1993, चतुर्थ विश्व हिंदी सम्मेलन पर<br><br>हिंदी की कार्यशालाएँ, सेमिनार, प्रकाशन कार्य चलते रहे।<br>• सभी कोर्स आवश्यकता तथा पुनः सुधार के साथ आगे बढ़ते गए।<br>• ABC, प्राइमरी अध्यापन प्रशिक्षण, डिप्लोमा, उत्तमा, HSC के छात्रों का शिक्षण, पी.जी.सी.ई. ये सभी कोर्स तृतीय स्तर की पढ़ाई के लिए छात्रों की मानसिकता को तैयार कर रहे थे।<br>• अब तृतीय स्तर (Tertiary Education) की स्थापना हुई तथा स्कूल ऑफ़ इंडियन स्टडीज़ के अंतर्गत हिंदी विभाग तथा अन्य विभाग एवं स्कूल भी एक नए शीर्षक के अंतर्गत अलग से अपना-अपना कार्य देखने लगे। एक नया 'स्ट्रेटेजिक प्लान' बना। | • 'मॉरीशस में हिंदी का विकास' विषय पर प्रदर्शनी MGI ने लगाई<br><br>• छात्र संख्या<br>1992 1993<br>B.A. yr I 5 12<br>B.A. yr Il 3 1<br>B.A. yr Ill 3 3<br>PGCE 15 -<br>Diploma 24 16<br>Primary Teacher 34<br>Certificate course (टी.सी. पी.)<br>Advance Certificate in Education in Hindi Studies 104 |

**1994-1995**

| योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| • बी. ए. तथा अन्य कक्षाओं के लिए अब पढ़ाने की प्रविधि पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा।<br><br>• निदेशक अध्यापकों को भी उच्च शिक्षा के लिए सुविधा प्रदान कर रहे थे।<br><br>• अन्य सभी कोर्स चल रहे थे पर अब MGI तृतीय स्तर (Tertiary Education) पर केंद्रित हो रहा था।<br><br>• BA (Hons) Hindi, BA (Hons) Joint Hindi और P.G.C.E. Hindi, इनका कार्यक्रम तथा मूल्यांकन का आधार मानक था।<br><br>• MGI के पास लगभग 900 छात्र थे – अंतः Meca Cognitive Balance Theory (Reinforce Theory) के अंतर्गत दो वर्ग बने। | ये प्रविधियाँ थीं :-<br>• अध्यापक के आमने-सामने<br>• मीडिया पर आधारित<br>• डिस्क लर्निंग प्रविधि (दूर-दूर छात्रों तक पहुँचने के लिए)<br>विशेष रूप से हिंदी विषय में 1995 में जो बाह्य निरीक्षक के रूप में मॉरीशस आए थे, उनके निर्देशन में BA (HONS) Hindi का पाठ्यक्रम विभाग ने तैयार किया।<br><br>1995 में Joint (Hons) Hindi से 2 छात्र उत्तीर्ण हुए।<br><br>• मोड्युल्स प्रणाली, सेमेस्टर, क्रेडिट प्रणाली, निरंतर दत्त कार्य तथा छः माह बाद परीक्षाएँ!<br><br>• एक वर्ग को आमने-सामने (Face to Face) तथा विभिन्न मोड से शिक्षित करना था तथा दूसरे वर्ग को Distance Education Material देकर उन्हें तृतीय स्तर की शिक्षा के लिए तैयार किया गया। |

**2000-2001**

यह वर्ष महात्मा गाँधी संस्थान के बीज रूप में किए गए कार्यों का प्रगति-वर्ष था। तृतीय स्तर (Tertiary) में छात्रों की संख्या बढ़ने लगी। नए कोर्स विज्ञापित हुए। अब पुराने चल रहे कोर्स के साथ-साथ M.A.Hindi के पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य पूरा हो गया।

| कोर्स | छात्र संख्या |
|---|---|
| B.A. (Hons)Hindi with Education (MGI + MIE) | Level I– 38<br>Level II – 33 |
| B.A (Hons) Joint<br>B.A (Hons) Single | Level I Joint – 11<br>Level I Single – 33 |
| **प्राइमरी अध्यापक प्रशिक्षण** | 32 |
| B.A (Hons) Hindi with Education | 38 |

| योजनाएँ | उपलब्धियाँ |
|---|---|
| B.A (Hons) Hindi I,II,III Joint/single | पाठ्यक्रम पर पुनर्विचार (Review) हुआ।<br>बाह्य परीक्षा की देख रेख में। |
| शोध कार्य | Ph.D स्तर पर (UOM तथा MIE) |

| | | 2000-2004 | 2004-2005 | 2007-2008 |
|---|---|---|---|---|
| **Subject** | **Level** | **No. of Students** | | |
| **B.A(Hons)Hindi Joint** | **I** | **11** | **09** | **8** |
| | **II** | **10** | **11** | **09** |
| | **III** | **12** | **-** | **11** |
| **B.A(Hons)Hindi Single** | **I** | **33** | **30** | **35** |
| | **II** | **30** | **33** | **30** |
| | **III** | **35** | **30** | **33** |
| **B.A(Hons)Hindi with Education** | **I** | **38** | **36** | **18** |
| **Diploma in Hindi Studies (Credit System पर आधारित)** | **I** | **15** | **13** | **08** |
| | **II** | **08** | **15** | **13** |
| **M.A. Hindi** | **I** | **20** | **16** | **12** |
| | **II** | | **20** | **16** |

| Courses | 2009-2010 | 2010-2011 | 2011-2012 | 2013-2014 | 2014-2015 |
|---|---|---|---|---|---|
| Diploma Year 1 (P/T) | - | 9 | - | - | - |
| Year 2 (P/T) | 6 | - | 5 | - | - |
| Year 3 (P/T) | - | 6 | - | 05 | - |
| BA(Hons) Hindi Year 1 (F/T) | 28 | 26 | 29 | 31 | 39 |
| Year 2 (F/T) | 24 | 25 | 26 | 27 | 27 |
| Year 3 (F/T) | 23 | 24 | 25 | 29 | 28 |
| BA(JOINT) Hindi Year 1 (F/T) | 11 | 5 | 4 | 4 | 3 |
| Year 2 (F/T) | - | 11 | 5 | 3 | 2 |
| Year 3 (F/T) | - | - | 10 | 4 | 3 |
| BA(HONS) Hindi Year 1 (P/T) | 13 | - | 10 | 5 | |
| Year 2 (P/T) | 12 | 13 | - | 10 | 6 |
| MA Year 1 (P/T) | 7 | 13 | 05 | 4 | |
| Year 2 (P/T) | - | 7 | 13 | 05 | 4 |
| PGCE Year 1 P/T, F/T | 26 | 14 | 14 | | (P/T—13), (F/T—18) |
| Year 2 | - | 26 | 14 | 14 | |
| TDP Year 1 | - | 23 | 19 | - | |
| Year 2 | 41 | - | 23 | 19 | |
| ACE | 29 | 29 | 70 | - | |
| DHT | - | 21 | - | - | |

**नया सपना**

अब एम.जी.आई. अपने कुछ पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन अथवा डिस्टेंस एज्युकेशन द्वारा केवल मॉरीशस वासियों तक ही नहीं, वरन अपने आस-पास के टापुओं (रोड्रिग्स, रीयूनियन आदि) तथा अफ़्रीका तक, इसका विस्तार तथा प्रसार करने की योजना बना रहा है।

योजनाबद्ध कार्य, भारी बजट, परिश्रम तथा कुशल निर्देशन द्वारा यह सपना भी यथार्थ होगा। ऐसी हम-सभी एकादमिक सदस्यों की आशा है।

धन्यवाद।

**साभार**


- MGI Library
- www.mgirti.info
- www.openuniversity.mu
- www.uom
- ICGIC Library
- Indian Studies Registry (MGI)
- D.A.V. Degree College/ R.D.Institute



अध्यक्षा, हिंदी विभाग, महात्मा गांधी संस्थान
सोल्फेरिनो नो.१, वाक्वा, मॉरिशस
alkadunputh@yahoo.co.in